HISTORY

B.A.PART-I (Hons)

Paper-II (The Rise of Modern west)

Unit-I, (Renaissance)

Dr. GUDDY KUMARI

(Guest Lecturer), History Deptt.

A.N.D. College, Samastipur

Lecture Series - 63

पुनर्जागरण (Renaissance)

भाग-1

पुनर्जागरण (Renaissance) का शाब्दिक अर्थ होता है, "फिर से जागना"। 14वीं और 17वीं सदी के बीच विश्व इतिहास में मानव जीवन को प्रस्फुटित करने के उद्देश्य से जो सांस्कृतिक व धार्मिक प्रगति, आंदोलन तथा युद्ध हुए उन्हें ही पुनर्जागरण कहा जाता है। इसके फलस्वरूप जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नवीन चेतना आई। यह आन्दोलन केवल पुराने ज्ञान के उद्धार तक ही सीमित नहीं था, बल्कि इस युग में कला, साहित्य और विज्ञान के क्षेत्र में नवीन प्रयोग हुए। नए अनुसंधान हुए और ज्ञान-प्राप्ति के नए-नए तरीके खोज निकाले गए। इसने परलोकवाद और धर्मवाद के स्थान पर मानववाद को प्रतिष्ठित किया।

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)

यूरोप में पुनर्जागरण के कुछ प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित है:-

1. नवीन विचारों का अभ्युदय
2. कला और स्थापत्य
3. साहित्य के क्षेत्र में प्रगति
4. राजनीति,
5. विश्वविद्यालीय शिक्षा,
6. महिलाओं की स्थिति।

1. नवीन विचारों का अभ्युदय

(क) तर्क एवं प्रयोग आधारित चिंतन:- पुनर्जागरण की सर्वप्रमुख विशेषता यह थी कि अब मध्ययुगीन अंधविश्वासों के स्थान पर मानव ने तर्क एवं प्रयोग आधारित चिंतन पर बल दिया। अरस्तु के तर्क शास्त्र का लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ा। पेरिस, बोलोन, ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज आदि विश्वविद्यालयों ने तर्क आधारित चिंतन पर बल देते हुए उसी विचारधारा को उचित मानने पर जोर दिया जो तर्क की कसौटी पर खरी उतरे।

(ख) मानववाद:-

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)

मानवतावाद यूरोप में पुनर्जागरण की विचारधारा का प्रमुख केंद्र बिंदु था। प्राचीन यूनानी सभ्यता एवं संस्कृति के समर्थक पेट्रोक को मानवतावाद का जनक कहा जाता है। मानवतावादी अवधारणा में मध्ययुगीन धार्मिक अंधविश्वासों दैवीय मामलों एवं मोक्ष की प्राप्ति के स्थान पर मानव मात्र के कल्याण पर विशेष बल दिया गया। पुनर्जागरण काल के लोगों ने व्यवहारिक ज्ञान पर विशेष बल दिया। उन्होंने अनुभव किया कि मानव का जीवन महत्वपूर्ण है। अतः पृथ्वी पर मानव का आदर करते हुए उसके जीवन को सुधारने के लिए हर संभव प्रयत्न किए जाने चाहिए।

पुनर्जागरण काल के कुछ प्रमुख मानवतावादी माइकल एंजेलो, मैकियावली, लियोनार्डो द विंची, संते, अल्बर्टी, सेक्स्पीयर, ड्यूक ऑफ़ माण्टुआ आदि थे। ड्यूक आफ मांटुआ ने तो मानवतावाद का एक शिक्षण केंद्र स्थापित कर लिया था। उक्त सभी मनीषियों के कारण पुनर्जागरण युग में इतिहास एवं साहित्य सृजन का प्रमुख विषय मानवतावाद ही बन गया। साहित्य एवं इतिहास को अब मानविकी कहा जाने लगा।

पुनर्जागरण में मानवतावाद के महत्व को देखते हुए तत्युगीन कला साहित्य में भी इसकी अभिव्यक्ति हुई। सहज सौंदर्य की उपासना पर विशेष जोर दिया गया। पुनर्जागरण काल के प्रमुख चित्रकार लियोनार्डो द विंची का मानवतावादी दृष्टिकोण उसके इस लेख से परिलक्षित होता है

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)

कि "अच्छे चित्रकार को दो प्रमुख चीजों का चित्रण करना होता है मनुष्य और उसके मन की भावनाएं।

2. कला और स्थापत्य

(क) स्थापत्य कला :- पुनर्जागरण काल के वास्तुविदो ने गोथिक शैली के स्थान पर जिस नई शैली का प्रयोग किया, उसे रेनेसां स्थापत्य कला के नाम से जाना जाता है। रेनेसां स्थापत्य की नवीन शैली में यूनानी रोमन तथा अरबी शैलियों का मिश्रण किया गया था। इस नवीन शैली का प्रारंभ इटली में हुआ और तत्पश्चात अन्य यूरोपीय देशों में इनका प्रयोग किया गया। पुनर्जागरण काल के स्थापत्य का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रोम स्थित सेंट पीटर का गिरजाघर था। इसका निर्माण ब्रामंते ने शुरू कराया था, बाद में माइकल एंजेलो तथा राफेल ने भी इसके निर्माण में योगदान दिया। इस प्रकार हम देखते हैं कि इटली में विकसित पल्लवित स्थापत्य कला की यह नवीन शैली द्रुतगति से पश्चिमी यूरोप के अन्य देशों में फैल गया।

(ख) चित्रकला:-

माइकल एंजेलो पुनर्जागरण काल का एक महान स्थापत्यकार होने के साथ-साथ एक प्रमुख चित्रकार एवं मूर्तिकार भी था। उसने वेटिकन के गिरजाघर की दीवारों पर 20 वर्षो के अथक परिश्रम से जो चित्रकला चित्रित कि। वह उसकी महानता का घोतक है। इस चित्रकला में अंतिम

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)

निर्णय (लास्ट जजमेंट) नामक चित्र सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इस के चित्रों का प्रभाव इटली के चित्रकार राफेल द्वारा निर्मित विश्व प्रसिद्ध सिस्टाउन मैडोना एवं मैडोना ऑफ द चेयर, चित्रों में देखा जा सकता है। राफेल की गणना संसार के सर्वश्रेष्ठ चित्रकारों में की जाती है। माइकल एंजेलो का चित्र मानव का पतन की गणना भी संसार के सर्वाधिक प्रसिद्ध चित्रों में की जाती है। इसके अलावा लियोनार्दो दि विंची के मोनालिसा एवं द लास्ट सपर की गणना भी प्रसिद्ध चित्रों में की जाती है। पुनर्जागरण युग में इटली के जियाटो को चित्रकला का जन्मदाता कहा जाता है।

(ग) मूर्तिकला:-

इटली में पुनर्जागरण कालीन मूर्तिकला का प्रवर्तक दोनोनेल्लो था। जिसने तत्कालिक बच्चों एवं पुरुषों की अद्वितीय मूर्तियां बनाई। इस काल के अन्य प्रमुख मूर्तिकार गिबर्ती एवं माइकल एंजेलो थे। इटली की मूर्तिकला ने कालांतर में अन्य यूरोपीय देशों की मूर्तिकला को भी प्रभावित किया।

(घ) संगीत कला:-

मध्य काल में गिरजाघरों में संगीत वर्जित था। पुनर्जागरण के साथ ही संगीत के क्षेत्र में पर्याप्त उन्नति हुई। जर्मनी के मार्टिन लूथर ने न केवल एक नवीन धर्म का प्रादुर्भाव किया अपितु उसने स्वयं कुछ

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)

धार्मिक एवं अन्य गीतों का संकलन भी किया। इस युग की एक और विशेषता यह भी थी कि स्वर, ताल, राग एवं पद्धति में भी में हुए परिवर्तनों के साथ-साथ यंत्रीय संगीत का भी विकास हुआ। संगीत कला पर यूनानी हिब्रू एवं रोमन आदर्शों का भी प्रभाव पड़ा। इटली के गिओवानी पालेस्ट्राइना इस समय का लोकप्रिय एवं प्रख्यात गायक था।

शेष भाग-2 में देखें...

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)